हिंदी दैनिक खबर

हर पल, हमारी खबर

केशववाणी

शनिवार 16 मई 2026 बर्ष 02 अंक 129 पृष्ठ 4 www.keshavtv24.com Email:keshavtvbihar@gmail.com

अनमोल वचन

जो मजा अपने दम पर सफल बनने में है वो करोड़ों अरबों की खानदानी दौलत में भी नही है! घमंड ना करना जिंदगी में, तकदीर बदलती रहती है, आईना वही रहता है, तस्वीर बदलती रहती है।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने दिया पर्यावरण और ईंधन बचत का संदेश, पैदल पहुंचें सचिवालय

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट पटना। बिहार के माननीय मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शुक्रवार को पर्यावरण संरक्षण और पेट्रोल–डीजल की बचत को लेकर एक अनूठी पहल करते हुए अपने सरकारी आवास 1 अणे मार्ग से पैदल चलकर मुख्यमंत्री सचिवालय पहुंचकर लोगों को बड़ा संदेश दिया। मुख्यमंत्री के इस कदम की राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में व्यापक चर्चा हो रही है। मुख्यमंत्री ने हाल ही में राज्यवासियों से सप्ताह में एक दिन "नो व्हीकल डे" मनाने की अपील की थी। अपनी इसी अपील को व्यवहार में उतारते हुए उन्होंने स्वयं बिना किसी सरकारी वाहन का उपयोग किए पैदल अपने कार्यालय पहुंचकर उदाहरण प्रस्तुत किया। इस दौरान सुरक्षा कर्मी और प्रशासनिक अधिकारी भी उनके साथ मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण, पेट्रोल–डीजल की खपत और पर्यावरणीय चुनौतियों को देखते हुए अब समाज को जागरूक होने की जरूरत है। उन्होंने लोगों से अपील की कि सप्ताह में कम से कम एक दिन वाहन का उपयोग कम करें और जहां संभव हो पैदल चलने या सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करें। उनका कहना था कि इससे न केवल ईंधन की बचत होगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार पेट्रोल–डीजल की बचत और ऊर्जा संरक्षण को लेकर लोगों को जागरूक करते रहे हैं। प्रधानमंत्री की अपील से प्रेरित होकर राज्य सरकार भी इस दिशा में जागरूकता अभियान चलाने पर जोर दे रही है।उन्होंने मंत्रियों, सरकारी पदाधिकारियों, कर्मचारियों और आम नागरिकों से भी अपील की कि वे जरूरत के अनुसार ही वाहनों का उपयोग करें और ईंधन की खपत में संयम बरतें। मुख्यमंत्री ने कहा कि छोटी–छोटी पहलें भविष्य में बड़े बदलाव का आधार बन सकती हैं। मुख्यमंत्री के इस कदम को पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा बचत और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने की दिशा में एक सकारात्मक संदेश के रूप में देखा जा रहा है। आम लोगों के बीच भी मुख्यमंत्री की इस पहल को लेकर चर्चा बनी हुई है।

नींबू तोड़ने के विवाद में 14 वर्षीय बच्चे की पीट-पीटकर हत्या

अरुण भारती तथा बिहार सरकार के गन्ना उद्योग मंत्री संजय पासवान पीड़ित परिवार से मुलाकात किया

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट बिहारशरीफ (नालंदा)। नालंदा जिले के अस्थावां थाना क्षेत्र अंतर्गत सकरामा गांव में नींबू तोड़ने के मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि विवाद के दौरान 14 वर्षीय बच्चे की डंडे से पीट–पीटकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद पूरे गांव में तनाव का माहौल कायम है। घटना की सूचना मिलते ही अरुण भारती तथा बिहार सरकार के गन्ना उद्योग मंत्री संजय पासवान सकरामा गांव पहुंचे। दोनों नेताओं ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया। नेताओं ने घटनास्थल से ही नालंदा के पुलिस अधीक्षक एवं जिला. धिकारी से फोन पर बातचीत की। उन्होंने प्रशासन से पीड़ित परिवार को तत्काल सरकारी मुआवजा देने, परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी कर सख्त कार्रवाई करने की मांग की।इस दौरान स्थानीय निवासी एवं स्टेट बैंक के प्रबंधक बृजेश कुमार ने ग्रामीणों से शांति बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह घटना दो पक्षों के बीच हुए विवाद का परिणाम है और इसे लेकर किसी प्रकार का उपद्रव नहीं होना चाहिए। उन्होंने लोगों से कानून व्यवस्था पर भरोसा रखने की अपील करते हुए कहा कि दोषियों को निश्चित रूप से कड़ी सजा मिलेगी। बृजेश कुमार ने यह भी स्पष्ट किया कि वे किसी रा. जनीतिक उद्देश्य से नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी के तहत पीड़ित परिवार के साथ खड़े हैं। फिलहाल गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

कोसुक रिवर फ्रंट को तय समय पर पूरा करने का निर्देश, मंत्री श्रवण कुमार और सांसद कौशलेंद्र कुमार ने किया निरीक्षण

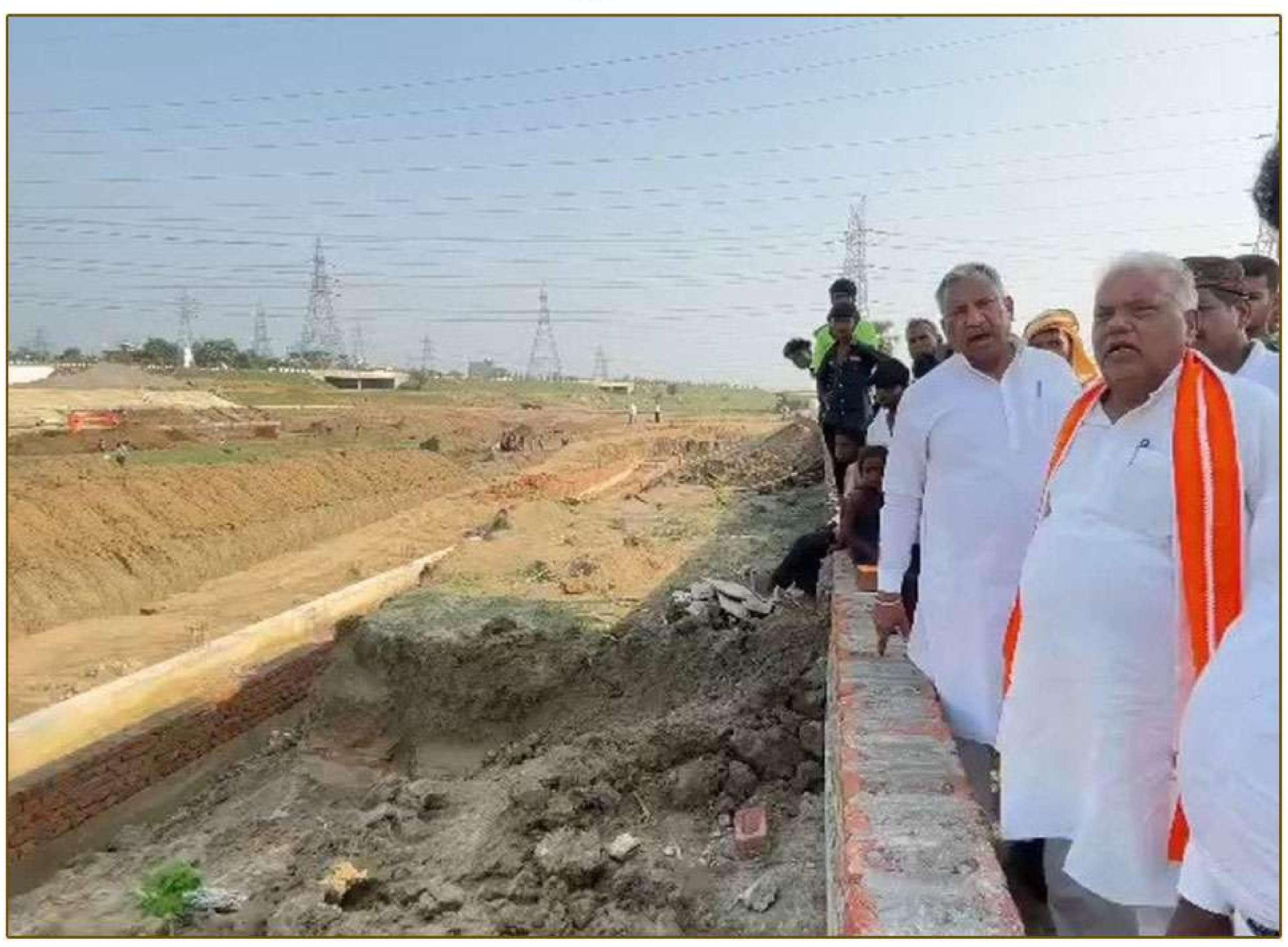

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट बिहारशरीफ (नालंदा)। बिहार सरकार के ग्रामीण विकास एवं सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के मंत्री श्रवण कुमार तथा सांसद कौशलेंद्र कुमार ने शुक्रवार को कोसुक रिवर फ्रंट परियोजना का निरीक्षण किया। इस दौरान दोनों नेताओं ने अधिकारियों को निर्माण कार्य में तेजी लाने और परियोजना को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया। कोसुक रिवर फ्रंट का निर्माण बिहारशरीफ नगर निगम के वार्ड संख्या 49 में किया जा रहा है। यह परियोजना बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का ड्रीम प्रोजेक्ट माना जाता है। निरीक्षण के बाद मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि कोसुक रिवर फ्रंट केवल सौंदर्यीकरण की परियोजना नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और पर्यटन विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार अपनी सांस्कृतिक विरासत को सहेजते हुए विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में अभूतपूर्व कार्य हुए हैं, जिसने बिहार को नई पहचान दी है। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाए। उन्होंने नदी की स्वच्छता बनाए रखने पर भी विशेष जोर दिया और कहा कि यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। रिवर फ्रंट पर घाट, वॉक–वे, लाइटिंग और हरियाली का कार्य इस स्तर का होना चाहिए कि यह स्थानीय लोगों के साथ–साथ पर्यटकों को भी आकर्षित कर सके। उन्होंने कहा कि परियोजना पूरी होने के बाद आसपास के क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे तथा स्थानीय लोगों को सुबह–शाम टहलने और समय बिताने के लिए स्वच्छ एवं सुंदर वातावरण उपलब्ध होगा।वहीं सांसद कौशलेंद्र कुमार ने कहा कि यह रिवर फ्रंट बिहारशरीफ सहित पूरे नालंदा जिले के लोगों के लिए वरदान साबित होगा। इससे शहरी क्षेत्र के लोगों को लाभ मिलने के साथ–साथ आसपास के किसानों को भी व्यापक फायदा पहुंचेगा। इस अवसर पर गुलरेज अंसारी, प्रवक्ता डॉ. धनंजय कुमार देव, प्रखंड अध्यक्ष संजय कुशवाहा, अरुण वर्मा, मुन्ना कुमार, सचिन पटेल, संजय प्रसाद कुशवाहा, भोला प्रसाद, मुन्ना मांझी, अमित कुमार रिक्की, रविन्द्र कुशवाहा, सकलदीप प्रसाद, वरण केवट, डेजी देवी, इंदू देवी, बिट्टू कुशवाहा, जयंत शर्मा, रामवृक्ष प्रसाद, मुन्ना पासवान, गुलशन कुशवाहा और अमरेश कुमार सहित बड़ी संख्या में स्थानीय कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

20 मई को देशभर में दवा दुकानों की हड़ताल ई–फार्मेसी के विरोध में उतरे केमिस्ट संगठन

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट बिहारशरीफ(नालंदा)। देशभर के केमिस्ट्स और ड्रगिस्ट्स संगठनों ने ई–फार्मेसी के विरोध में 20 मई 2026 को देशव्यापी बंद का ऐलान किया है। अखिल भारतीय रसायनज्ञ एवं औषधि विक्रेता संगठन (एआईओसीडी) के नेतृत्व में आयोजित इस बंद को बिहार सहित कई राज्यों के दवा विक्रेता संगठनों का समर्थन प्राप्त है। संगठनों का कहना है कि ऑनलाइन दवा बिक्री से जन स्वास्थ्य और मरीजों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो रहा है। उनका आरोप है कि ई–फार्मेसी के माध्यम से फर्जी और असत्यापित पर्चों पर दवाओं की बिक्री हो रही है, जिससे नशीली दवाओं और एंटीबायोटिक्स तक लोगों की आसान पहुंच बन गई है। इसके अलावा फार्मासिस्ट और मरीज के बीच सीधा संवाद खत्म होने से गलत दवा वितरण और नकली दवाओं का खतरा भी बढ़ गया है। दवा विक्रेताओं ने बड़े कॉर्पोरेट घरानों पर भारी छूट देकर बाजार व्यवस्था बिगाड़ने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि अनियमित डिस्काउंट और "प्रिडेटरी प्राइसिंग" के कारण छोटे केमिस्ट दुकानदारों का कारोबार प्रभावित हो रहा है, जिससे करोड़ों लोगों की आजीविका पर संकट खड़ा हो गया है।संगठनों ने केंद्र सरकार से जीएसआर 817(ई) और कोविड काल में जारी GSR 220(ई) अधिसूचना को वापस लेने की मांग की है। साथ ही अवैध ई–फार्मेसी पर सख्त प्रतिबंध लगाने की भी अपील की गई है। बिहार केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन एवं नालंदा जिला औषधि विक्रेता एसोसिएशन ने भी बंद को समर्थन देते हुए कहा कि "दवा कोई सामान्य वस्तु नहीं, बल्कि मरीज की सुरक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ा विषय है।" संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि नियमबद्ध व्यवस्था ही सही मरीज को सही डॉक्टर और सही फार्मासिस्ट के माध्यम से सही दवा उपलब्ध करा सकती है। उन्होंने मरीजों को होने वाली असुविधा के लिए खेद भी जताया है। AIOCD के अध्यक्ष जे.एस. शिंदे, महासचिव राजीव सिंघल, बिहार केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष परसन कुमार सिंह, महासचिव प्रभाकर कुमार, सचिव अजय कुमार गुप्ता तथा नालंदा जिला औषधि विक्रेता संघ के अध्यक्ष अमरेंद्र कुमार ने बंद को सफल बनाने की अपील की है।

अपने क्षेत्र के खबर भेजने या विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें

7033325120
9931609015

राजगीर मलमास मेला को लेकर प्रशासन अलर्ट मॉक ड्रिल के साथ अधिकारियों को दी गई जिम्मेदारी

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट राजगीर(नालंदा)। नालंदा जिले के राजगीर में 17 मई से शुरू होने वाले राजकीय मलमास मेला 2026 को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जिला दंडाधिकारी–सह–जिलाधिकारी कुंदन कुमार की अध्यक्षता में प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों एवं आपदा मित्रों के साथ ब्रीफिंग बैठक आयोजित की गई। बैठक में मेले के दौरान विधि–व्यवस्था, सुरक्षा, यातायात नियंत्रण, भीड़ प्रबंधन एवं आपदा प्रबंधन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। प्रशासन की ओर से मेला क्षेत्र में संभावित आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए मॉक ड्रिल का भी आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस बल, स्वास्थ्य विभाग, अग्निशमन दल एवं आपदा मित्रों ने संयुक्त रूप से राहत एवं बचाव कार्यों का प्रदर्शन किया। अधिकारियों को भगदड़, आग लगने, जल दुर्घटना तथा अन्य प्राकृतिक एवं मानवीय आपदाओं से निपटने के लिए पूरी तरह सतर्क रहने का निर्देश दिया गया। जिला. धिकारी ने कहा कि राजकीय मलमास मेला 2026 नालंदा जिले की धार्मिक एवं सांस्. तिक पहचान का महत्वपूर्ण आयोजन है। मेले के दौरान भारी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए सुरक्षा,

पार्किंग, चिकित्सा सुविधा, पेयजल, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था एवं संचार व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने सभी अधिकारियों को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी एवं समन्वय के साथ करने का निर्देश दिया।बैठक में पुलिस पदाधिकारियों को संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखने, महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने तथा असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर बनाए रखने के निर्देश दिए गए। प्रशासन ने बताया कि मेला क्षेत्र में पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की जाएगी और सीसीटीवी कैमरों एवं ड्रोन के माध्यम से लगातार निगरानी रखी जाएगी। गौरतलब है कि राजकीय मलमास मेला 2026 का आयोजन 17 मई से 15 जून 2026 तक होगा। इस दौरान ब्रह्मकुंड में स्नान के लिए देशभर से लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, विभिन्न विभागों के वरीय अधिकारी, दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में आपदा मित्र उपस्थित रहे।

बिहार में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, कई आईएएस अधिकारियों का तबादला

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट पटना। बिहार सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने शुक्रवार को बड़े पैमाने पर भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारियों के तबादले और नई पदस्थापनाओं को लेकर अधिसूचना जारी की। सरकार द्वारा जारी आदेश में कई वरिष्ठ अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, जबकि कई अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। जारी अधिसूचना के अनुसार के. सेंथिल कुमार को गन्ना उद्योग विभाग के अपर मुख्य सचिव पद से हटाकर श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग का अपर मुख्य सचिव बनाया गया है। साथ ही उन्हें पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। वहीं एच . आर . श्री. निवास को पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त कर दिया गया है। सरकार ने राजेश कुमार को कोसी प्रमंडल आयुक्त पद से स्थानांतरित कर लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग का प्रधान सचिव नियुक्त किया है। वहीं पंकज कुमार पल को पथ निर्माण विभाग का सचिव बनाया गया है। इसी क्रम में अभय कुमार सिंह को सूचना प्रौद्योगिकी विभाग का सचिव नियुक्त किया गया है। वे बिहार राज्य इलेक्ट्रॉनिक विकास निगम लिमिटेड (बेल्ट्रान) के प्रबंध निदेशक के अतिरिक्त प्रभार में भी बने रहेंगे। वहीं दीपक आनंद को खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग का सचिव बनाया गया है। अधिसूचना के तहत विनोद सिंह गुंजीयल को शिक्षा विभाग और खेल विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। इसके साथ ही अवनीश कुमार सिंह को भागलपुर प्रमंडल आयुक्त पद से हटाकर खान एवं भू–तत्व विभाग का सचिव–सह–खान आयुक्त बनाया गया है। वहीं हिमांशु कुमार राय को कोसी प्रमंडल का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। हिमांशु शर्मा को विज्ञान प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग का प्रभारी सचिव बनाया गया है। पूर्णिया के जिलाधिकारी अंशुल कुमार को पूर्णिया प्रमंडल आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। युवा अधिकारियों के स्तर पर भी बदलाव किया गया है। श्रीकांत कुंडलिक खांडेकर को पटना जिला परिषद के उप विकास आयुक्त पद से स्थानांत. रित कर मुख्यमंत्री सचिवालय में संयुक्त सचिव बनाया गया है। वहीं गुंजन सिंह को भोजपुर से स्थानांतरित कर मुख्यमंत्री सचिवालय में संयुक्त सचिव के पद पर पदस्थापित किया गया है। इसके अलावा शुभम कुमार को नालंदा जिला परिषद के उप विकास आयुक्त पद से हटाकर पटना जिला परिषद का उप विकास आयुक्त–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी बनाया गया है। यह अधिसूचना बिहार के राज्यपाल के आदेश से सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी की गई है।

तेतरावाँ स्थित पालकालीन बुद्ध प्रतिमा बना विदेशी पर्यटकों का आकर्षण केंद्र, विकास की उठी मांग

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट राजगीर(नालंदा)। बिहारशरीफ प्रखंड के तेतरावाँ गांव में स्थित पालकालीन भूमिस्पर्श मुद्रा में काले पत्थर से निर्मित विशाल बुद्ध प्रतिमा इन दिनों देश–विदेश के पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनती जा रही है। ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व से जुड़ी इस प्रतिमा स्थल पर स्थानीय टीम द्वारा लगातार विकास कार्य कराया जा रहा है, जिससे यहां आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। स्थानीय लोगों के अनुसार, पिछले आठ महीनों में 250 से अधिक विदेशी पर्यटक इस ऐतिहासिक स्थल का दर्शन कर चुके हैं और पर्यटकों के आने का सिल. सिला लगातार जारी है। प्रतिमा की प्रा. चीनता और पालकालीन कला शैली को देखने के लिए देश के विभिन्न हिस्सों के

अलावा विदेशों से भी लोग पहुंच रहे हैं।ग्रामीणों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सरकार एवं प्रशासन से मांग की है कि इस ऐतिहासिक धरोहर के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाए। उनका कहना है कि यदि इस स्थल को पर्यटन मानचित्र पर बेहतर तरीके से विकसित किया जाए, तो इससे न केवल क्षेत्र की पहचान बढ़ेगी बल्कि स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। स्थानीय टीम का कहना है कि सीमित संसाधनों के बावजूद स्थल के संरक्षण और विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। लोगों ने यहां सड़क, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, विश्राम स्थल और पर्यटन सुविधाओं के विस्तार की मांग की है, ताकि आने वाले पर्यटकों को बेहतर अनुभव मिल सके।

हरनौत के महिला ने एसपी कार्यालय में आवेदन देकर लगाई गुहार

केशववाणी राकेश कुमार की रिपोर्ट हरनौत(नालंदा)। हरनौत नगर पंचायत के बस्ती गांव के निवासी टुनटुन साव के पुत्री सुलेखा देवी ने दहेज उत्पीड़न,मारपीट, ससुराल में ठीक–ठाक से नहीं रखने, मानसिक रूप से प्रताड़ना समेत अन्य को लेकर नालंदा एसपी को आवेदन सौंप कर न्याय की गुहार शुक्रवार को लगाई है।पीड़ीता महिला ने बताया कि मेरी शादी पांच वर्ष पहले हिन्दु रीति–रिवाज के साथ पटना जिले के पचरूखिया थाना क्षेत्र के उसफा गांव निवासी अशोक साव के पुत्र दीपक साव के साथ हुई थी।शादि के समय दो लाख नगद, दो ग्राम सोने सहित अन्य समान उपहार स्वरूप दिए थे।शादी के कुछ ही महिना के बाद ससुराल वालों ने दहेज की मांग करने लगा था।जहां तक पति दिपक ,ससुर अशोक साव,सास ज्योति देवी,भैंसूर राजेश साव,ननद काजल,नंदोसी सन्नी उनके मां बबीता देवी सहित गाली–गलौज,मारपीट के साथ–साथ प्रताड़ना देने लगें।उन्होनों ने बताई कि पांच वर्ष के दौरान दो बेटे ने जन्म लिया।जिसमें दिव्यांश (03 वर्ष) और शिवांश (12 माह) है।जिसमें दिव्यांश को जन्म से हीं दिल में छेद है।यहां तक ससुराल पक्ष

वालों ने दोनों बच्चे सहित हमें भी घर से बाहर कर दिया।हम फिलहाल अपने मायके बस्ती में बीते 6 महीने से रह रही हूं।उन्होनों ने बताई कि मेरी पति दिपक का किसी और औरत के साथ नाजायज संबंध भी है।इसको लेकर वन स्टॉप सेंटर,पचरूखिया थाना ,पटना सहित अन्य जगहों पर न्याय के लिए गुहार भी लगाई।इसके साथ हीं बिहारशरिफ स्थित महिला थाना में बीते 12 अप्रैल को शिकायत भी किए है।जिसमें कांड संख्या 43/26 दर्ज है।लेकिन एक महिना बीत जाने के बाद भी महिला थाना से कोई इंन्साफ न मिला।पीड़ीता महिला ने बताई कि बीते चार मई को जब हम अपने दोनों बच्चों को लेकर ससुराल गये तो पति, सास ,ननद व नंदोसी ,भैंसूर सहित अन्य ने मारपीट कर लहुलहुआन कर दिया तथा घर से निकाल दिया।उन्होनें इंसाफ कि गुहार नालंदा एसपी से लगाई है।

अपने क्षेत्र के खबर भेजने या विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें
7033325120,9931609015

दैली गांव में 24 घंटे का अखंड कीर्तन हुआ समाप्त श्रद्धालुओं के बीच खीर और पुरी का बाटा गया प्रसाद

केशववाणी संवाददाता राकेश कुमार हरनौत (नालंदा)। हरनौत प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत नेहुसा पंचायत के दैली गांव में समस्त ग्राम वासियों के सहयोग से 24 घंटे का अखंड कीर्तन का आयोजन किया गया था। जो शुक्रवार को पूरे भक्ति और श्रद्धा के साथ संपन्न हो गया। आयोजन कर्ताओं ने बताया कि दैली गांव स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय के पास महादेव मंदिर परिसर में प्रत्येक साल की तरह इस साल भी 24 घंटे का अखंड कीर्तन का आयोजन किया गया था। अखंड कीर्तन को लेकर मंदिर परिसर को रंग रोहन कर फूल मालाओं से सजाया गया था। 24 घंटे तक हरे राम हरे कृष्ण के जब से आसपास के वातावरण में भक्ति मय का माहौल बना रहा। अखंड कीर्तन में जाप करने के लिए गांव के अलावा आसपास के गांव से बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। अखंड कीर्तन में पुरुष के साथ–साथ महिलाएं भी चढ़ बढ़कर हिस्सा लिया। और कीर्तन मंडली के साथ मंदिर की चारों ओर परिक्रमा किया। पंडितों ने बताया कि जिस जगह पर अखंड कीर्तन एवं यज्ञ आयोजन किया जाता है वहां की वातावरण शुद्ध हो जाती है। और साल भर के लिए लोगों के बीच सुख शांति एवं आपसी भाईचारे का माहौल भी बना

हुआ रहता है। वही अखंड कीर्तन समाप्त होने के बाद प्रसाद के रूप में हजारों श्रद्धालुओं के बीच खीर और पूरी वितरण किया गया। इस मौके पर डॉ राजीव रंजन, लक्ष्मण कुमार, रविकांत कुमार शर्मा, मुकेश कुमार, घनश्याम कुमार, गजानंद महतो, कुंदन पांडे, रामू चित जमादार, दिनेश राम, शंकर राम, कालोटान महतो,नरेंद्र प्रसाद, जोगिंदर राम, गजानंद व्यास, नवीन सिंह, रणजीत राम ,अनिल सिंह, सुधीश महतो, पप्पू पासवान, सुदामा महतो,लुकड़ी सिंह समेत समस्त ग्राम वासियों मौजूद थे।

पैक्स अध्यक्ष को एक महिने के बाद भी राज्य खाद्य निगम ने नहीं किया राशि का भुगतान

केशववाणी राकेश कुमार की रिपोर्ट हरनौत (नालंदा)। हरनौत प्रखंड में विभिन्न पैक्सों अध्यक्षों के द्वारा राज्य खाद्य निगम(एसएफसी) को चावल दिया गया है।अब परिस्थिती यह है कि चावल जमा करने के बाद भी राज्य खाद्य निगम द्वारा राशि का भुगतान नहीं किया जा रहा है। जिससे पैक्सों अध्यक्षों में चितांएं बढ़ गई है।वहीं डिहरी पैक्स अध्यक्ष डॉ हिमांशु कुमार ने शुक्रवार को बताया कि धान खरीद में राज्य खाद्य निगम को सीएमआर यानी धान से चावल बनाकर विभिन्न पैक्स अध्यक्षों ने दी थी।लेकिन एक महिना के बाद भी राशि का भुगतान नहीं किया गया है। वहीं प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी कृष्ण कुमार ने बताया कि हरनौत प्रखंड से 187 लॉट(प्रति लॉट 290 क्विंटल) जमा किया गया है।जिसमें प्रति क्विंटल 35 सौ रुपये पैक्स अध्यक्षों को एसएफसी द्वारा देनी है।लेकिन हरनौत समेत सुबे में पैक्स अध्यक्षों को अभि तक रूपया नहीं मिला है।उन्होनें ने कहा कि नियमतरू एक सप्ताह के अंदर मिल जाना चाहिए था ।लेकिन एक महिने बाद भी एसएफसी द्वारा राशि नहीं मिला है।उन्होनें बताया कि जिला सहकारिता पदाधिकारी(डीसीओ) के माध्यम से संबंधित विभाग को चिट्ठी भेजी गई है।

हरनौत में गेहूं खरीद की रफ्तार काफी धीमी

केशववाणी राकेश कुमार की रिपोर्ट हरनौत (नालंदा)। हरनौत प्रखंड में सरकारी गेहू खरीद की रफ्तार इस बार काफी धीमी बनी हुई है।अधिप्राप्ति शुरू होने के एक माह बाद भी लक्ष्य के मुकाबले बेहद कम खरीद हो सकी है। वहीं प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी(बीसीओ) पंकज सिंह ने शुक्रवार को कहा कि बीते एक अप्रैल से प्रारंभ की गई है तथा गेहूँ अधिप्राप्ति की अंतिम तिथि आगामी 15 जून निर्धारित की गई है।बीसीओ श्री सिंह ने बताया कि अब तक केवल नौ किसानों से 283 क्विंटल गेहू की खरीद की गई है, जबकि इस वर्ष 2500 कुटंल खरीद का लक्ष्य तय किया गया है। वहीं किसानों का कहना है कि समिति के जरिए गेहू बेचने में कई तरह की परेशानियां होती हैं।वहीं डिहरी पैक्स अध्यक्ष डॉ हिमांशु कुमार ने बताया कि इस बार उत्पादन अच्छा हुआ है। गेहू का सरकारी रेट 2585 रुपया प्रति क्विंटल इस बार है।मगर बाजार में गेहू का भाव 2300 से 2400 रुपये प्रति क्विंटल तक बिक रहा है।

वित्त रहित डिग्री कॉलेजों के शिक्षकों ने उच्च शिक्षा मंत्री को सौंपा ज्ञापन सात वर्षों के बकाया अनुदान और वेतन व पेंशन की मांग

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा)। बिहार राज्य संबद्ध डिग्री महाविद्यालय शिक्षक–शिक्षकेतर कर्मचारी महासंघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने नवनियुक्त उच्च शिक्षा मंत्री से की। अपनी लंबित मांगों के संबंध में एक ज्ञापन सौंपा। महासंघ के अध्यक्ष राम बिनेश्वर सिंह ने मंत्री को बधाई देते हुए राज्य के हजारों शिक्षकों और कर्मचारियों की दयनीय स्थिति से अवगत कराया। महासंघ द्वारा प्रस्तुत पत्र में निम्नलिखित प्रमुख बिंदुओं पर तत्काल कार्रवाई का आग्रह किया। इनमें राज्य के वित्त रहित, अनुदानित संबद्ध डिग्री महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों और कर्मचारियों के पिछले 7 वर्षों के बकाया अनुदान का एकमुश्त भुगतान किया जाए। संबद्ध कॉलेजों के कर्मियों को अनुदान के स्थान पर नियमित वेतन, पेंशन और अन्य सेवानिवृत्ति लाभ प्रदान किए जाए। वेतन–पेंशन के मुद्दों को सुलझाने के लिए पूर्व मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित समिति की कार्यवाही को शीघ्र आगे बढ़ाया जाए। विधान परिषद की शिक्षा समिति द्वारा इस संबंध में की गई अनुशंसाओं को सरकार द्वारा लागू किया जाए।

महासंघ के अध्यक्ष राम बिनेश्वर सिंह ने कहा कि हजारों परिवार पिछले कई वर्षों से आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि नए नेतृत्व में इन लंबित समस्याओं का सकारात्मक समाधान होगा। इस मुलाकात में प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ बिहार के महासचिव शंभु कुमार सिंह, सदस्य, वित्त रहित शिक्षक कर्मचारी संयुक्त संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष मंडल भी उपस्थित रहे।

जनगणना कार्य में लगे शिक्षकों को ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराने की मांग

केशववाणी (नालंदा)। नवनियुक्त माध्यमिक–उच्च माध्यमिक शिक्षक संघ, बिहार, नालंदा इकाई के जिला अध्यक्ष संजीत कुमार शर्मा एवं जिला सचिव राणा रंजीत कुमार ने संयुक्त बयान जारी कर कहा कि जनगणना कार्य में लगे शिक्षकों से विद्यालय में पठन–पाठन कराने के बाद जनगणना कार्य करने की अपेक्षा न्यायसंगत प्रतीत नहीं होती है। नेताद्वय ने कहा कि जनगणना कार्य के लिए सुबह 7 बजे से 11 बजे तक तथा दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक का समय सबसे उपयुक्त और प्रभावी होता है। इस दौरान लोग घरों में उपलब्ध रहते हैं, जबकि बीच के समय में अधिकांश लोग अपने घरों का गेट बंद कर बाहर रहते हैं, जिससे अपेक्षित सहयोग नहीं मिल पाता है। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर एक ओर जहां जनगणना कोषांग द्वारा जनगणना की महत्ता को ध्यान में रखा गया है, वहीं दूसरी ओर विद्यालयी शिक्षा प्रभावित न हो, इसके लिए शिक्षकों को जनगणना कार्य में लगाने का सकारात्मक प्रयास किया गया है। बावजूद इसके, शिक्षकों से एक साथ विद्यालय में पठन–पाठन और जनगणना कार्य दोनों कराना जनगणना के लक्ष्य और समय–सीमा को प्रभावित कर सकता है। संघ के नेताओं ने सरकार एवं शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव से मांग करते हुए कहा कि जनगणना कार्य में लगे शिक्षक–शिक्षिकाओं को "मार्क ऑन ड्यूटी" के तहत ऑनलाइन उप. स्थिति दर्ज कराने का आदेश दिया जाए। साथ ही उन्होंने उन शिक्षक–शिक्षिकाओं से भी अपील की, जिन्हें जनगणना कार्य में नहीं लगाया गया है, कि वे विद्यालयों में पठन–पाठन व्यवस्था को सुचारु एवं सफलतापूर्वक संचालित करने में सहयोग करें।

कॉकरोच और परजीवी जैसी टिप्पणियों पर भड़के मनोज झा, मुख्य न्यायाधीश को लिखा खुला पत्र

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट (नालंदा)। मनोज कुमार झा ने मुख्य न्यायाधीश को संबोधित एक खुले पत्र में हालिया विवादित टिप्पणियों पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि "कॉकरोच" और "परजीवी" जैसे शब्द केवल आपत्तिजनक नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र की संवैधानिक संस्कृति और असहमति की भावना को भी आहत करते हैं। मनोज झा ने लिखा कि जब देश के बेरोज़गार युवाओं, आरटीआई कार्यकर्ताओं, मीडिया कर्मियों और असहमति रखने वाले नागरिकों की तुलना ऐसे शब्दों से की जाती है, तो यह केवल व्यक्तिगत राय नहीं रह जाती, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति जनता के भरोसे को कमजोर करती है। उन्होंने अपने पत्र में कहा कि किसी भी संवैधानिक पद की गरिमा उसके अधिकारों से नहीं, बल्कि उसके संयम, संवेदनशीलता और संवैधानिक नैतिकता से तय होती है। उन्होंने न्यायपालिका की ऐतिहासिक भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि अदालतों ने हमेशा लोकतंत्र को गरिमा और संतुलन प्रदान किया है, लेकिन अमानवीकरण की भाषा लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ जाती है। मनोज झा ने देश के बेरोज़गार युवाओं की स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि आज करोड़ों युवा भर्ती में देरी, संविदा आधारित नौकरियों, प्रश्नपत्र लीक और आर्थिक असुरक्षा जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। ऐसे समय में उनकी पीड़ा और आक्रोश को "परजीविता" कहना पूरी पीढ़ी का अपमान है। उन्होंने कहा कि ये युवा व्यवस्था की विफलताओं के शिकार हैं और उनकी समस्याओं को समझने के बजाय उन्हें अपमानित करना दुर्भाग्यपूर्ण है।पत्र में आरटीआई कार्यकर्ताओं और स्वतंत्र पत्रकारों के योगदान का भी उल्लेख किया गया। मनोज झा ने कहा कि सूचना के अधिकार आंदोलन ने लोकतंत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत किया है। कई आरटीआई कार्यकर्ताओं और पत्रकारों ने भ्रष्टाचार उजागर करने के लिए अपनी जान तक जोखिम में डाली है। ऐसे लोगों को संदेह की नजर से देखना लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट और वकीलों की ऑनलाइन अभिव्यक्तियों को लेकर की गई टिप्पणियों पर भी चिंता जताई। उनके अनुसार पेशेगत अनुशासन जरूरी है, लेकिन आलोचना और असहमति को संस्थागत संदेह का आधार नहीं बनाया जा सकता। उन्होंने कहा कि यदि आलोचना को राष्ट्र–विरोध या शत्रुता की तरह देखा जाने लगे, तो लोकतंत्र कमजोर पड़ने लगता है। पत्र के अंत में मनोज झा ने कहा कि लोकतंत्र आलोचना से कमजोर नहीं होता, बल्कि तब कमजोर होता है जब शक्तिशाली संस्थाएं आलोचकों को लोकतांत्रिक भागीदारों के बजाय "शत्रु" की तरह देखने लगती हैं। उन्होंने बेरोज़गार युवाओं, आरटीआई कार्यकर्ताओं, स्वतंत्र पत्रकारों और असहमति रखने वाले नागरिकों को लोकतंत्र की जरूरी आवाज़ बताते हुए कहा कि यही आवाज़ें लोकतंत्र को जीवित रखती हैं।

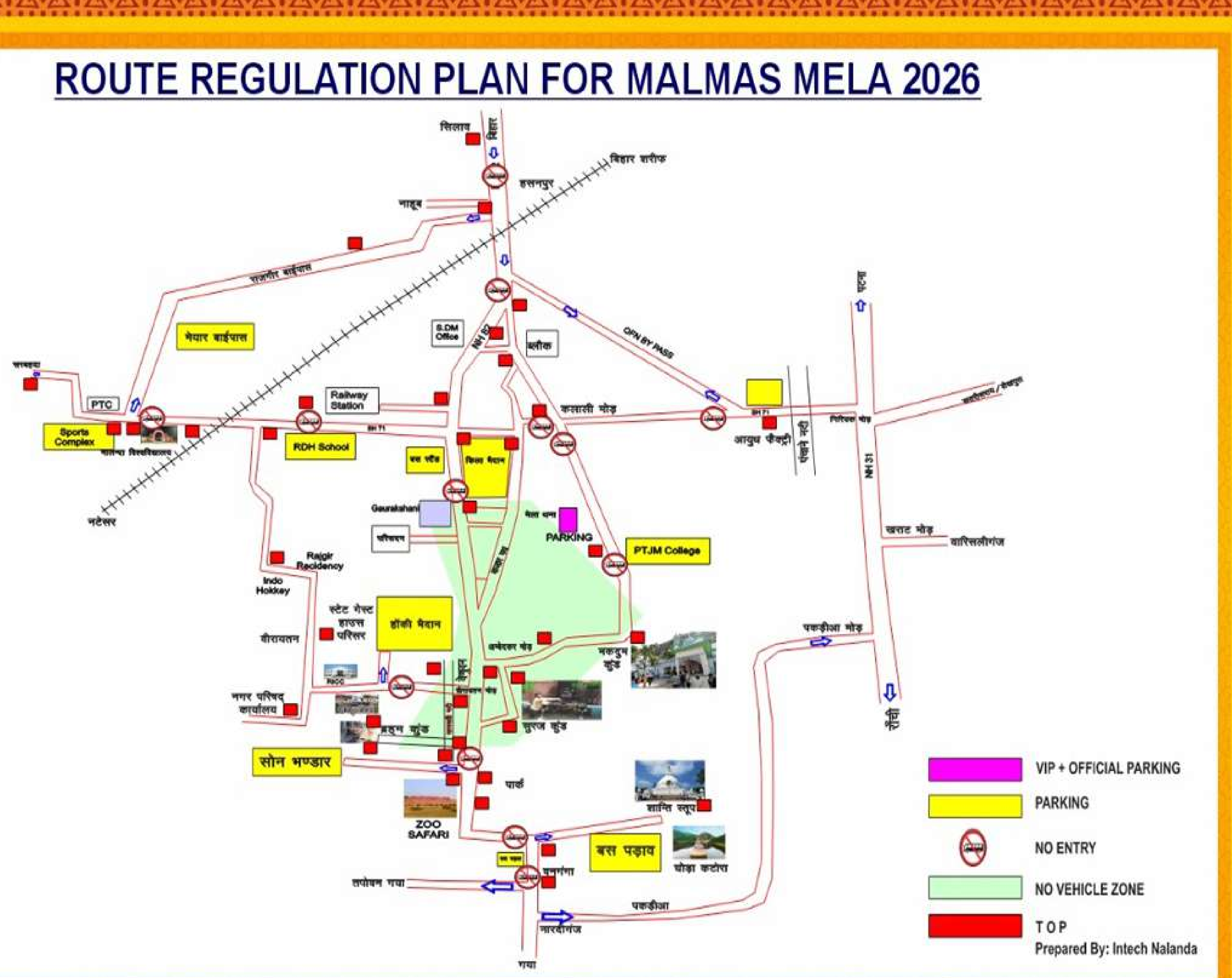

वैदिक मंत्रोच्चार से गुंजेगी राजगीर की वादियां, एक माह तक चलने वाले मेला का ध्वजारोहण करेंगे विधाभास्कर स्वामी श्री महाराज एवं फलाहारी बाबा

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी मलमास मेला के पहले दिन लेंगे भाग, करेंगे लक्ष्मी नारायण मंदिर एवं सप्तधारा परिसर में ध्वजापूजन

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा)। कल से शुरू होकर 15 जून तक चलने वाले राजकीय मलमास मेला की तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है। पंडा कमेटी द्वारा सुबह 6रू30 बजे से 9 बजे तक तीर्थपूजन होगा। उसके बाद 9 बजे ध्वजारोहण किया जायेगा। यज्ञशाला में ध्वजारोहण अंतरराष्ट्रीय स्तर के संत अयोध्या श्री कोसलेस सदन पिताधेश्वर के विद्याभास्कर स्वामी श्री महाराज एवं करपात्री अग्निहोत्री परमहंस स्वामी चिदा. त्मन जी महाराज उर्फ फलाहारी बाबा करेंगे। पंडा कमेटी के प्रवक्ता सुधीर कुमार उपाध्याय ने बताया कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा ब्रह्मकुंड परिसर में लक्ष्मी नारायण मंदिर एवं सप्तधारा परिसर में ध्वजापूजन, उदघाटन एवं सरस्वती कुण्ड परिसर में संध्या गंगा महाआरती का आयोजन होगा। सुधीर उपाध्याय ने बताया कि ऐसी मान्यता रही है कि मेले के दौरान तैंतीस कोटि देवी–देवता का वास राजगीर में होता है। रविवार को छह बजे तीर्थ पूजन शुरू हो जायेगा। इसमें पंडितों के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार किया जायेगा।

पंडा कमेटी के अध्यक्ष नीरज उपाध्याय, सचिव विकास उपाध्याय व प्रवक्ता सुधीर कुमार उपाध्याय ने बताया कि मेला उद्घाटन समारोह में अति विशिष्ट अतिथि उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, उप मुख्य मंत्री विजेन्द्र प्रसाद यादव, विशिष्ट अतिथि ग्रामीण विकास सूचना जन–संपर्क मंत्री श्रवण कुमार, सांसद कौशलेन्द्र कुमार, विधायक कौशल किशोर, विधान पार्षद रीना यादव, नगर परिषद राजगीर के सभापति जीरो देवी भी शामिल होंगे। वहीं मेला में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए प्रशासन द्वारा जगह–जगह पर ठहरने के लिए टेंट सिटी व आश्रय स्थल बनाया गया है। मेला में लाखों की संख्या में देश व विदेश के श्रद्धालु आते हैं और यहां के कुंडों में डुबकी लगाते हैं।

मलमास में कुंड स्नान का मिलता है धार्मिक लाभ – सुधीर कुमार उपाध्याय

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर(नालंदा)। तीन सालों पर लगने वाला मलमास मेला का काफी धार्मिक महत्व होता है। इस साल यह मेला 17 मई से लगने वाला है। यह मेला एक महीने तक चलेगा। मलमास मेला में देश व विदेश के श्रद्धालु आकर धार्मिक लाभ लेते हैं। इसकी महत्ता के संबंध में बताते हुए पंडा कमेटी के प्रवक्ता सुधीर कुमार उपाध्याय जी बताते हैं कि पुराणों में ऐसा वर्णित है कि इस अधिकमास या मलमास में तैंतीस कोटि देवी–देवता का वास इसी पावन धरती पर होता है। साथ ही ऐसी मान्यता है कि सभी तीर्थ आवाहित होकर राजगृह आ जाते हैं। उन्होंने बताया कि इस मेले के दौरान कुंडों में स्नान करने पर सभी तीर्थों के बराबर स्नान का फल मिलता है, और उनकी मनो. कामना पूरी होती है। लोगों का संचित पाप का नाश होता है। श्री उपाध्याय ने बताया कि पद्म पुराण में ऐसा वर्णन मिलता है कि ब्रह्मा पुत्र राजा बसु ने माघ महिने में राजगृह ब्रह्मकुंड में वाजपेयी यज्ञ किये थे, उस समय

स्वर्ग से सभी तैंतीस करोड़ देवी–देवताओं का आगमन हुआ था। माघ की भीषण शीतलहरी में स्वर्ग सुख का उपभोग करने वाले सभी देवी–देवता लोग ठंड से कांपने लगे, और भगवान ब्रह्मा जी से कहने लगे कि इस ठंड से निजात पाने का कोई उपाय बतायें। देवी–देवताओं के इस प्रार्थना पर ब्रह्माजी की कृपा से इन पहाड़ों से अनवरत बहने वाली असीम गर्म जलधरा फूट पड़ी। जिस स्थल पर वाजपेयी यज्ञ हुआ था आज वह ब्रह्मकुंड के रूप में मौजूद है, और अन्य जलधाराएं उसी रूप में प्रवाहित हैं जिसे सप्तधारा और अन्य कुंडों के नाम से जाना जाता है। कहा गया है कि उसी यज्ञ के बाद से ही मलमास लगना शुरू हुआ जो हरेक तीन साल पर अधिकमास में यह मेला आज भी लगते आ रहा है। इस मास को भगवान विष्णु के नाम पर पुरुषोत्तम मास या हरि मास कहा गया है। ऐसा भी कहा जाता है कि जो श्रद्धालु मलमास में राजगीर आकर स्नान, दान और भगवान विष्णु की पूजा करता है उसे असीम पूण्यफल और सुख शांति और समृद्धि की प्राप्ति होती है।

हरनौत में लाइव रिकॉर्डिंग स्टूडियो का हुआ उद्घाटन

केशववाणी राकेश कुमार की रिपोर्ट हरनौत(नालंदा)। हरनौत बाजार के रेलवे स्टेशन के पास शुक्रवार को अपना लाइव रिकॉर्डिंग स्टूडियो का उद्घाटन हुआ।यह उद्घाटन हरनौत नपं के मुख्य पार्षद प्रतिनिधि पल्लू सिंह, उप मुख्य पार्षद प्रतिनिधि सह समा. जसेवी सुरेश सिंह,जद(यू) प्रखण्ड अध्यक्ष रविक. ांत कुमार,गायक सोनू चौहान समेत अन्य ने संयुक्त रूप से किया।इस मौके पर लोगों ने कहा कि हरनौत जैसे छोटे जगह पर लाईव रिकॉर्डिंग स्टूडियो खुलना बड़ी बात है। इससे स्थानीय गरीब कलाकारों की अपनी प्रतिभा निखारने का मौका मिलेगा और रोजगार भी। उन्होनें खुशी व्यक्त किए एवं इस कदम को सराहनीय बताया। वहीं डायरेक्टर बैजू लाल चौहान ने बताया कि यह लाइव स्टूडियो नालंदा जिला के आस पास भी कोई जिला में नहीं है। यहाँ नए और आधु. निक तरीके से गाने को रिकॉर्डिंग किया जाएगा और बहुत ही बारीकी से मिसिंग कर के अपलोड किया जाएगा।नए और पुराने कलाकारों को

अपने 20 वर्षो का अनुभव से उसे आगे बढ़ाने का काम करूँगा।मौके पर डॉ. रामजतन प्रसाद ,जिपस प्रतिनिधि अशोक चौहान,गायक निलम राज ,गायक भोला बिहारी , गायक श्रवण पासवान ,गायिका कंचन साधना चौहान ,कवि कमलेश समेत अन्य मौजूद थे।

रामपुर गांव में समरसेबुल मोटर और पम्प की चोरी, किसान परेशान

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट नगरनौसा (नालंदा)। नगरनौसा प्रखंड के चंडी थाना क्षेत्र अंतर्गत रामपुर गांव स्थित खोन्धी खंधा में अज्ञात चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया। जानकारी के अनुसार, अकैड़ गांव निवासी जयवीर प्रसाद के खेत में लगे समरसेबुल मोटर, स्टार्टर और पम्प को अज्ञात चोरों ने रात के अंधेरे में चोरी कर लिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। पीड़ित जयवीर प्रसाद ने बताया कि खेत की सिंचाई के लिए लगाए गए समरसेबुल मोटर और अन्य उपकरणों की चोरी होने से खेती कार्य प्रभावित हो गया है। उन्होंने प्रशासन से मामले की जांच कर चोरी गए सामान की बरामदगी की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने पुलिस से रात्रि गश्ती बढ़ाने और चोरों पर कार्रवाई करने की मांग की है।

पेरियार के विचारों और सामाजिक समानता पर चर्चा, तर्क और जागरूकता पर दिया गया जोर

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट (नालंदा)। पेरियार ई.वी. रामासामी के सामाजिक और तर्कवादी विचारों को लेकर एक बार फिर चर्चा तेज हो गई है। समाज में समानता, अंध. विश्वास के विरोध और सामाजिक न्याय को लेकर उनके विचारों को आज भी कई लोग प्रेरणास्रोत मानते हैं। पेरियार ने अपने जीवन में धार्मिक रूढ़ियों, सामाजिक भेदभाव और जातिगत असमानता के खिलाफ लगातार आवाज उठाई थी। बताया जाता है कि विवाह के बाद उनकी पत्नी नागम्मई भी पारंपरिक मान्यताओं और सामा. जिक रीति–रिवाजों से जुड़ी हुई थीं। लेकिन पेरियार के तर्कपूर्ण विचारों और सवालों ने उन्हें सोचने पर मजबूर किया। दशहरा जैसे आयोजनों में पेरियार द्वारा परंपरागत प्रतीकों के विरोध को लेकर भी कई चर्चाएं होती रहीं। शुरुआत में नाग. म्मई को यह सब असहज लगता था, लेकिन समय के साथ उन्होंने पेरियार के विचारों और उनके सामाजिक दृष्टिकोण को समझने का प्रयास किया। पेरियार अक्सर धार्मिक और सामा. जिक कथाओं को तर्क की कसौटी पर परखने की बात करते थे। उनका मानना था कि समाज में समानता और न्याय स्थापित करने के लिए लोगों को अंधविश्वास और रूढ़ियों से बाहर निकलकर तार्किक सोच अपनानी चाहिए। उनके विचारों का प्रभाव दक्षिण भारत सहित देश के कई हिस्सों में सामाजिक आंदोलनों पर पड़ा।सामाजिक न्याय और जातिगत भेदभाव को लेकर भी पेरियार ने कई बार खुलकर अपनी बात रखी। उनका मानना था कि समाज में श्रमिक और शिल्पकार वर्गों को लंबे समय तक सामाजिक रूप से कमजोर समझा गया। हालांकि इन मुद्दों को लेकर अलग–अलग विचारधाराओं के बीच बहस भी होती रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि सामाजिक बदलाव के लिए संवाद, शिक्षा और जागरूकता सबसे जरूरी माध्यम हैं। किसी भी समाज में समानता और मानव सम्मान की स्थापना तभी संभव है, जब लोग तर्क और संवेदनशीलता के साथ सामाजिक मुद्दों पर विचार करें। पेरियार और अंबेडकरवादी विचारधारा को मानने वाले लोग आज भी सामा. जिक न्याय, समता और शिक्षा के माध्यम से समाज में बदलाव लाने की बात करते हैं।

नूरसराय में "निधि फास्ट" फूड दुकान का भव्य उद्घाटन, समता और समानता का दिया संदेश

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट नूरसराय(नालंदा)। नालंदा जिले के नूरसराय प्रखंड स्थित अंधन्ना मोड़ के समीप शुक्रवार को "निधि फास्ट फूड" दुकान का भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। दुकान के प्रोपरा. इटर मिथिलेश कुमार द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में बौद्ध रीति–रिवाज एवं संस्कार के साथ उद्घाटन संपन्न हुआ। समारोह में जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे सैकड़ों लोगों, महिलाओं, बच्चों, नौजवानों एवं मिशन से जुड़े कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन अनिल पासवान ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर एवं भगवान बुद्ध की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। समारोह को संबोधित करते हुए सामाजिक कार्यकर्ता राकेश कुमार , राजवीर कुमार एवं धनवंतरी देवी ने पाखंडवाद पर प्रहार करते हुए समाज में समता, समानता और न्याय की विचारधारा को मजबूत करने का आह्वान किया। वक्ताओं ने कहा कि समाज लंबे समय तक समानता और न्याय की मूल भावना से दूर रहा, लेकिन अब लोग जागरूक होकर मिशन के साथ जुड़ने का संकल्प ले रहे हैं। कार्यक्रम में मिथिलेश कुमार, वाल्मीकि पासवान, दीपक कुमार, मुकेंद्र, सत्यम, सुलेखा देवी, शक्ति कुमार, चंदू देवी, कंचन देवी, सियापति देवी, सुनैना देवी, नीलम देवी, रिंकू देवी, काजल कुमारी, सीमा देवी, भारती कुमारी, सलोनी कुमारी, साक्षी कुमारी, पीहू कुमारी, कांति देवी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।